

**Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls
Post Graduate College Aliganj, Lucknow, Uttar
Pradesh**

(Accredited Grade 'B' by NAAC)

आख्या

**खादी और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाओं: त्रिदिवसीय
कार्यशाला का शुभारम्भ आज गूगल मीट के माध्यम से हुआ**

July 11, 2020

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज के वाणिज्य विभाग द्वारा खादी और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाओं विषयक त्रिदिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ आज गूगल मीट के माध्यम से मुख्य अतिथि एवम् प्राचार्य प्रोफ़ेसर अनुराधा तिवारी द्वारा किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुये उन्होंने कहा कि कोरोना काल में रोज़गार की चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं। सरकारी रोज़गार सीमित हैं तथा प्राइवेट सेक्टर का काम भी मंदा हुआ है। ऐसी स्थिति में छोटे उद्योग धंधों से जीविकोपार्जन किया जा सकता है। उन्होंने सम सामयिक विषय पर गोष्ठी कराने के लिये वाणिज्य विभाग को बधाई दी।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में खादी उद्योग विभाग के लखनऊ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र की प्राचार्य श्रीमती तनुजा ने लघु उद्योगों के बारे में सरकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिये सरकार प्रदेश में दस प्रशिक्षण केंद्र चला रही है जिसमें मधुमक्खी पालन पापड़ अगरबत्ती फलसंरक्षण आदि अनेक प्रकार की ट्रेनिंग पन्द्रह दिनों की दी जाती है जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के अठारह से पैंतालीस उम्र के कोई भी स्त्री पुरुष भाग ले सकते हैं उक्त अवधि में उनका रहना खाना फ्री होता है तथा पाँच सौ छात्रवृत्ति भी दी जाती है।

इसके अलावा कौशल विकास के सम्बन्ध में केन्द्र एवम् राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं बैंक द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले कर्ज तथा उस पर मिलने वाली सब्सिडी तथा भुगतान के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होने ये भी जानकारी दी की शहर के लोगों के लिये दो सौ रुपये के अतिअल्प शुल्क पर भी अनेक प्रकार की ट्रेनिंग दी जाती है।

कार्यशाला की समन्वयक तथा वाणिज्य की विभागाध्यक्ष डाक्टर क्रान्ति सिंह ने तीन दिवसीय कार्यशाला की थीम प्रस्तुत करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री जी आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा करने की ज़िम्मेदारी शिक्षकों तथा छात्राओं की भी है। अपना उद्योग शुरू करके छात्राएँ स्वयं आत्मनिर्भर बन सकती हैं। इसके पूर्व भी डाक्टर क्रान्ति सिंह रोज़गारपरक वेबिनार का आयोजन कर चुकी हैं।

कार्यशाला की सह समन्वयक डाक्टर रश्मि अग्रवाल ने अतिथियों का परिचय कराया उन्होंने कहा कि इस आपदा को हमें अवसर में बदलना होगा। उन्होंने कार्यशाला का सफलता पूर्वक संचालन किया तथा शोधार्थियों और वक्ताओं के बीच सेतु के रूप में कार्य किया।

आयोजक सचिव डाक्टर भास्कर शर्मा ने कहा कि अब गाँव की ओर लौटना होगा। अब समय आ गया है जब हमको गाँधी और विनोबा के रास्ते पर चलना होगा। उन्होंने अपनी कविता "एक बार फिर से आज़ादी की लड़ाई लड़ना है, सादा जीवन उच्च विचारों का गहना गढ़ना है, गाँव गली गलियारों में मेहनतकश वाले धन्धे होंगे, और विनोबा गाँधी वाले ग्रंथ पुनः पढ़ना है" का वाचन कर उत्साहवर्धन किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन जिला ग्रामोद्योग के श्री के एल नाग तथा अंतिम दिन महिला उद्धमी अंजलि सिंह मौजूद रहेंगी।

अंत में प्रतिभागियों के सवालों का जवाब मुख्य वक्ता ने दिया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में शोधार्थी शिक्षक और छात्राएँ देश के विभिन्न भागों से मौजूद रहे।

धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की एसोसीयट प्रोफेसर गृह विज्ञान डाक्टर रश्मि बिस्नोई ने किया उन्होंने कहा कि आज की कार्यशाला से गाँव की विशेष तौर से गृह विज्ञान की छात्राओं को बहुत लाभ हुआ है। आज मिली जानकारी से वे अपना कल सुधार सकती हैं। उन्होंने मुख्य वक्ता प्राचार्य तथा आयोजक टीम का आभार व्यक्त किया।



Skill Development and Employment Opportunities

May 22,2020

A workshop on 'Skill Development and Employment Opportunities' organised by Department of Economics on May 22,2020. Keynote speaker of the session was shri Kunal Silku (IAS), Mission Director Uttar Pradesh skill development mission and Director Training and Employment U P. Shri Silku had Discussed Employment opportunities in various sector of the economy. He also discussed about major steps which has been taken by UPSDM and PMKVY for employment generation in Uttar Pradesh. Distinguished speaker of the workshop was Mr. V P Srivastava AGM (Retd.) State Bank of India. He explained about financial provisions regarding loan for new start up. Mr Srivastav has also discussed about MUDRA Yojana and said that through Mudra yojana loan is going to easier for innovative entrepreneur. Thus this workshop explored new possibilities about job opportunities, job creation and financing methods for new start up.

Faculty Development Programme on Research Methodology (23-29 June 2020)

Due to impact of COVID-19 pandemic and serious outbreak across the world, a drastic change is taking place among educational institutes of adopting online mode of teaching learning. In this context, the main objective of this Faculty Development Programme is to quality use of this period having consideration of suggestions of UGC to promote research orientation. Research Methodology is indispensable in every field of higher education, be it social sciences, pure sciences, or business studies. The present program is designed in such a way for the seven days, to give exposure to the participants about research problem formulation, application of appropriate research design, skill of data collection, data processing and statistical analysis at both basic and advanced level along with SPSS as well as how to write quality research paper. In collaboration with the department of sociology, Department of Psychology, Department of Botany & Department of Commerce, the department of Economics has organized a seven-day online faculty development program on research methodology. In the Faculty Development Program, 500 participants have registered from all over the country as well as from other countries ie Turkey, Austin, Nepal etc. The FDP has been hosted live on the gotomeeting platform as well as YouTube and Facebook.